



Room to Read®

World Change Starts  
with Educated Children.®



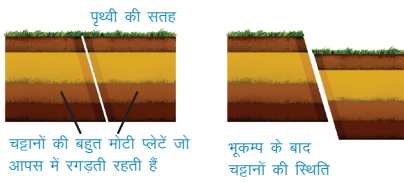
हेलो दोस्तों,

आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। आपको इ गपशप कैसी लगी? मजा आ रहा है ना! हमे आशा है आप इनका आनंद अपने परिवार के साथ मिलकर ले रहे हैं। इन्हें पढ़ कर अपने विचार, प्रतिक्रिया और भावनाएं हमसे जरूर साँझा करें। और हा इनको अपने दोस्तों और परिवार से साँझा करना ना भूले, जिससे आपके साथ साथ वह भी इन्हें पढ़ सकें।

घर पर रहें। सुरक्षित रहें।

आपकी चुलबुली और बुलबुली

## भूकम्प के बारे में जाने

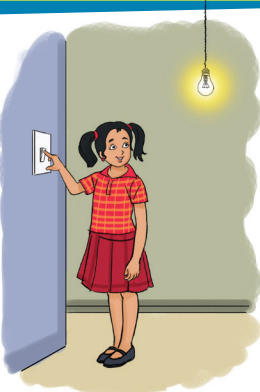


क्या आपको पता है कि ये भूकम्प क्यों आते हैं? पृथ्वी के अंदर चट्टानों की बहुत मोटी प्लेटें होती हैं जो आपस में रगड़ती रहती हैं। कभी-कभी कई जगहों पर ये आसानी से हिल नहीं पाती जिसकी वजह से वहाँ धीरे-धीरे तनाव या प्रेशर बनने लगता है। यह तनाव समय के साथ बढ़ता रहता है, और फिर एक ऐसा समय आता है जब यह तनाव दोनों चट्टानों को हिला देता है। पर तब तक यह तनाव इतना ज्यादा हो चुका होता है कि उन चट्टानों के हिलने के झटके कई सौ किलोमीटर दूर तक महसूस किये जाते हैं।

भूकम्प कितनी तेजी से आया है उसको सीस्मोग्राफ नामक यंत्र से मापा जाता है और इसका इस्तेमाल करने वाले वैज्ञानिकों को सीस्मोलॉजिस्ट कहा जाता है। हम आने वाले भूकम्प को रोक तो नहीं सकते। वैज्ञानिक अब यह पता लगा सकते हैं कि वो कौन से क्षेत्र हैं जहाँ ज्यादा भूकम्प आने की संभावना है। उन जगहों पर बनने वाले इमारतों को इस प्रकार बनाया जा सकता है जिससे कि भूकम्प आने पर वहाँ रहने वाले लोगों को कम से कम नुकसान हो।

25 अप्रैल 2015 में हमारे पड़ोसी राज्य नेपाल में तेज भूकम्प आया। 1934 के बाद पहली बार, यानी 81 साल बाद नेपाल में इतना तेज भूकम्प आया जिससे बहुत से लोग मारे गये और बहुत सी प्राचीन ऐतिहासिक इमारतें भी नष्ट हुईं। यह भूकम्प इतना तेज था कि इसके झटके बंगलादेश, चीन, भारत, और पाकिस्तान में भी महसूस किये गए। यानी आस-पास के ऐसे देशों तक भी भूकम्प के हलके झटके आए जो नेपाल से बहुत दूर हैं। भूकम्प के बाद भी हलके झटके कई दिनों तक महसूस किये जाते रहे। और 17 दिन बाद 12 मई को फिर से नेपाल में तेज भूकम्प आया। भारत सहित विश्व के लगभग सभी देशों ने इस मुश्किल समय से उबरने में नेपाल की मदद की। उन्होंने नेपाल के लोगों के लिए खाने का सामान, दवाईयाँ, कपड़े, पैसे, आदि भिजवाए।

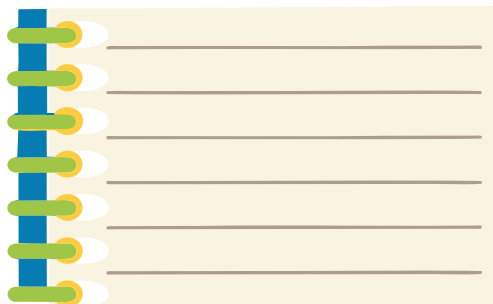
## पर्यावरण का बचाव



कहीं आप यह तो नहीं सोचने लगी कि इतने बड़े पर्यावरण को बचाने के लिए हम क्या कर सकते हैं? वैसे अगर हम अपने रोजमर्रा की जिंदगी में थोड़ी सी सावधानी या बदलाव लायें तो पर्यावरण को बचाने में हमारा बहुत योगदान हो सकता है। क्या आप जानना चाहेंगी कि मैं क्या करती हूँ? मैं कभी भी रास्ते में कूड़ा-कचरा नहीं फेंकती और हमेशा कूड़ेदान का इस्तेमाल करती हूँ। और तो और घर में जब लाइट या पंखे की जरूरत नहीं होती तब उसे बंद ही रखती हूँ। इससे 10-40 प्रतिशत बिजली बच जाती है। तो इसी तरह आप भी अपने दोस्तों और परिवारवालों के साथ मिलकर योजना बना सकती हैं कि अपने पर्यावरण को अच्छा और स्वस्थ रखने के लिए आप क्या कदम उठाएंगी। अगर आपने अपने समुदाय में कुछ ऐसी चीजें की हैं या करना चाहती हैं तो मुझे लिख कर जरूर बताएँ।



## मेरी डायरी



अपने आस-पास के पर्यावरण को साफ और स्वस्थ कैसे रखा जा सकता है इसकी एक सूची अपने परिवार के साथ मिलकर बनाये।